

पाठ 10 नव वर्ष का पर्व पोंगल लिखित प्रश्नोत्तर



CLASS: IV
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: 10
TOPIC: नव वर्ष का पर्व पोंगल
SUB TOPIC: लिखित प्रश्नोत्तर

G YOUR TOMORROW

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org

Toll Free: **1800 120 2316**
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024



पाठ 10 नववर्ष का पर्व-पोंगल



1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क) भोगी पोंगल के दिन किस देवता की पूजा की जाती है और क्यों ?

उत्तर- भोगी पोंगल' के दिन इंद्र देवता की पूजा की जाती है, क्योंकि लोगों का मानना है कि इंद्र देवता वर्षा के देवता है। जब इंद्र देवता समय पर वर्षा करेंगे, तभी खेतों में फसल लहराएगी।

(ख) पोंगल के दूसरे दिन को क्या कहा जाता है और यह कैसे मनाया जाता है।

उ. पोंगल के दूसरे दिन 'सूर्य पोंगल' कहा जाता है उस दिन चावल, ज्वार, दूध और नारियल के बनी खीर सूर्य देवता को भोग में बढ़ाई जाती है। लोग रिस्तेदारों और मित्रों को पोंगल की बधाई देते हैं. और मिठाइयाँ बाँटते हैं।

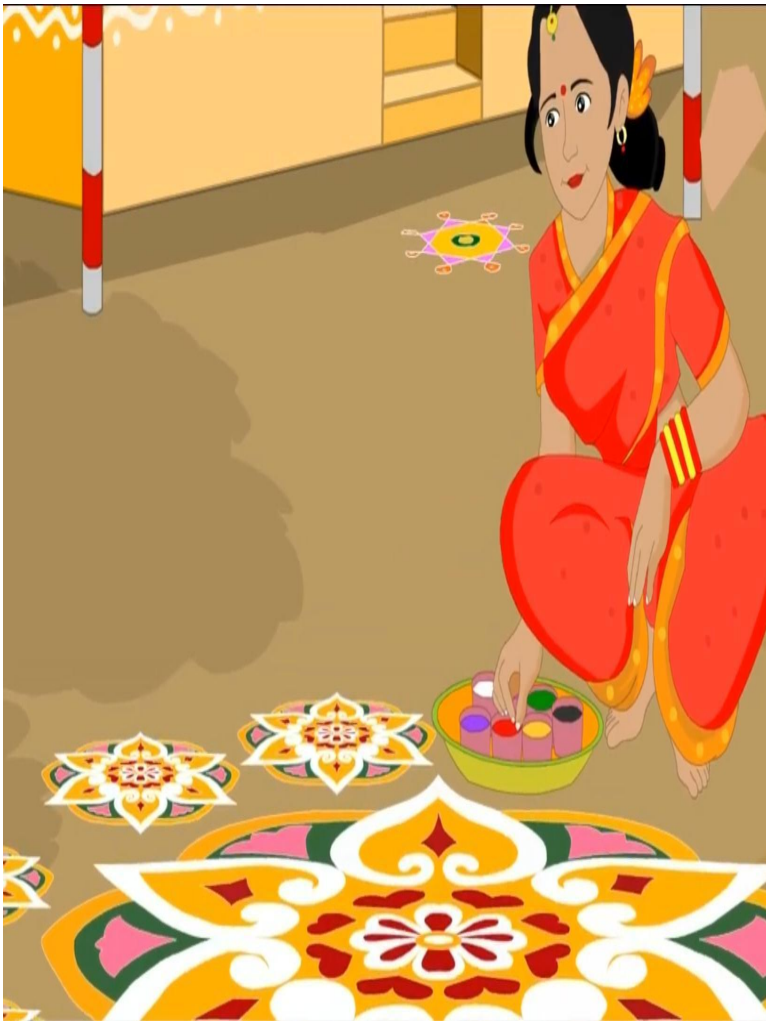


ग) 'माट्टू पोंगल' के दिन दक्षिण भारत के लोग क्या करते हैं?

उ) माट्टू पोंगल के दिन दक्षिण भारत में पशुओं की पूजा की जाती है। माना जाता है कि पशु ही जीवन का आधार है। उस दिन भी लोग एक कुरीति को मानते हैं, उसे 'जल्लीकट्टु' कहा जाता है उस दिन बैलों एवं भैसों को तंग कर पहले दौड़ते हैं और उन्हें काबू में लाते हैं।

ड.) उच्चतम न्यायालय ने किस प्रथा पर रोक लगाई और क्यों ?

उत्तर -उच्चतम न्यायालय ने 'जल्लीकट्टू' प्रथा पर रोक लगाई थी क्योंकि उस दिन पालतू पशुओं पर अत्याचार किया जाता है।



3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए
क) पर्व किस प्रकार से हमारे जीवन में आनंद लाते हैं?
लिखिए।

उत्तर-पर्व हमारे जीवन में आनंद लाते हैं और साथ ही हमें बहुत सारे ज्ञान भी मिलते हैं। बहुत सारी बातें रीति-रिवाज सीखने और देखने को मिलते हैं। सभी पर्व मानवीय गुणों को स्थापित कर लोगों में प्रेम एकता व सद्भाव को बढ़ाने का संदेश देते हैं। पर्व ही हैं जो परिवारों और समाज को जोड़ते हैं।

गृहकार्य

पाठ का अभ्यास करें

शिक्षण प्रतिफल

बच्चे श्रुतलेख और मौखिक प्रश्नोत्तर के बारे में जानकारी लिए।।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP